



उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं के व्यक्तित्व मूल्यो (प्रासंगिक अन्तर्बोध परीक्षण) का अध्ययन करना।

निर्देशिका

प्रस्तुतकर्त्री डॉ. एकता पारीक

मंजू बाला प्राचार्या

एम.एड.छात्रा बियानी बी.एड. गर्ल्स कॉलेज, जयपुर

प्रस्तावना –

व्यक्तित्व का अनेक गुणा तथा लक्षणा का संग्रहण माना जाता है। इन गुणा की मात्रा तथा लक्षणा का मापने की प्रवृत्ति पाई जाती है। मनुष्य के व्यक्तित्व के मापन का इतिहास बहुत पुराना है। हमारे देश में मनुष्य से तात्पर्य उसके शारीरिक स्वास्थ्य, सौन्दर्य, लौकिक, ज्ञान, सामाजिक, धार्मिक, पारिवारिक, आर्थिक, सुखदायी, शक्ति मूल्य आदि के विकास से लिया जाता है। अतः इनके मूल्य का मापन भी इसके विकास का आधार है। वर्तमान में हम व्यक्तित्व मूल्य के विषय में एकमत नहीं है आने व न ही व्यक्तित्व मापन के विषय में। अतः यह स्वाभाविक है कि शिक्षा के क्षेत्र में लक्ष्य का प्राप्त करने हेतु मूल्य का कार्य को सार्थक बनाने के लिए ऐसी प्रविधियों का विकास किया जाता है जसके माध्यम से व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों के विषय में जानकारी एवं सूचनाएँ प्राप्त हो सके। इन प्रविधियों का प्रयोग परिस्थितियों के अनुसार किया जाता है। प्राचीनकाल में व्यक्तित्व के स्वरूप की व्याख्या और उसके मापन की विधियों का विकास पाश्चात्य मनोवैज्ञानिकों ने शुरू किया।

तकनीकी शब्दों का परिभाषाकरण –

व्यक्तित्व – व्यक्तित्व एक व्यक्ति के पठन, व्यवहार के तरीकों, रुचियों, दृष्टिकाणों, क्षमताओं और तरीकों का सबसे विशिष्ट संगठन है।

शाधे 1 के उद्देश्य –

1. उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं के व्यक्तित्व मूल्यो का अध्ययन करना। शाधे 1 की परिकल्पना – उच्च माध्यमिक स्तर की के व्यक्तित्व मूल्य में काई सार्थक अंतर नहीं है।

शाधे 1 की विधि – प्रस्तुत शाधे 1 कार्य में सर्वेक्षण विधि का

प्रयोग किया गया है।

शाधे 1 में प्रयुक्त चर – प्रस्तुत अध्ययन में चर के रूप में केवल व्यक्तित्व मूल्य को ही लिया गया है। जनसंख्या

–

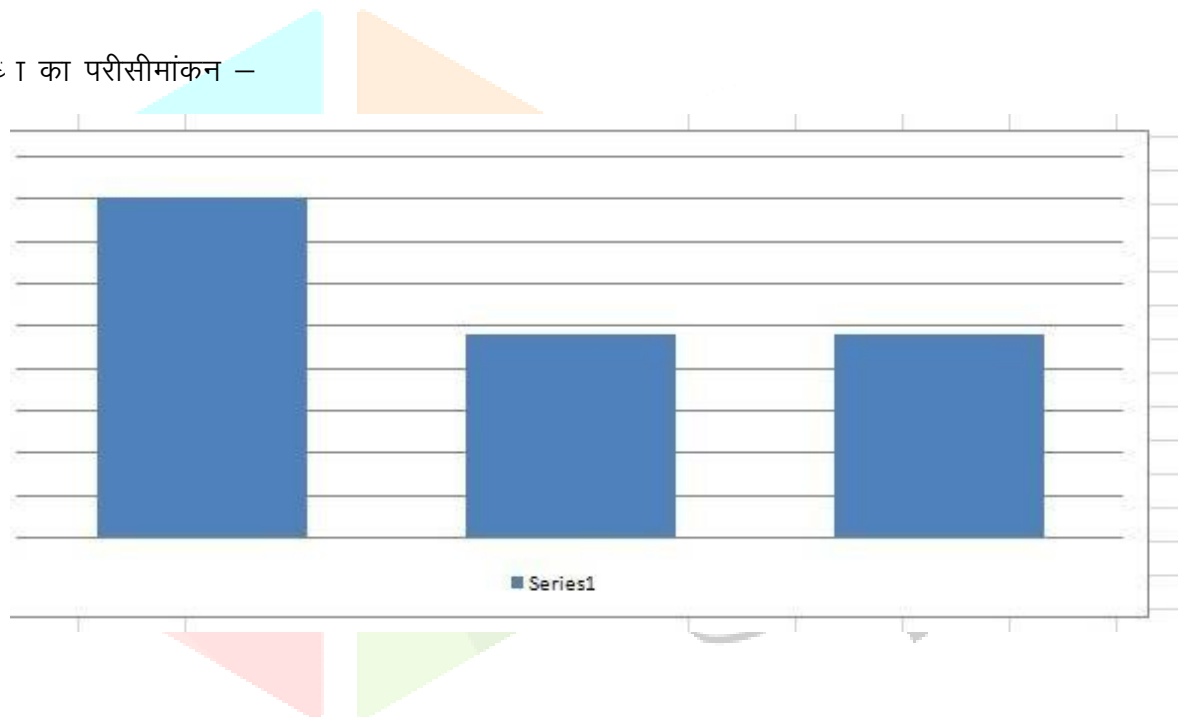
प्रस्तुत शाधे 1 कार्य में जनसंख्या के रूप में जयपुर शहर के 100 विद्यार्थियों (50 शहरी व 50 ग्रामीण) का चयन किया गया है।

शाधे 1 मे ं प्रयुक्त न्यादरुश -

शाधे 1कर्तल ने जयपुर शहर के उच्च माध्यमिक स्तर की जनसंख्या मानते हुए विद्यार्थियों की एक सूची बनाकर उसमें 100 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि के आधार पर लिया गया। चयन विद्यार्थियों को 100 प्रश्नावली विधि द्वारा छात्रों का चयन न्यादरुश के रूप में किया गया है।

शाधे 1 मे ं प्रयुक्त उपकरण - प्रस्तुत शाधे 1 हते, डॉ. जी.पी.शैरी द्वारा निर्मित व्यक्तित्व मूल्या मापनी का पयुग किया गया है।

शाधे 1 का परीसीमांकन -



शाधे 1 निष्कर्ष - अतः स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं के व्यक्तित्व मूल्या के आध्यात्मिक मूल्या की अपेक्षा कम है तथा व्यक्तित्व

के मूल्या से उनकी रुचि का पता लगाया गया है

1. प्रस्तुत शाधे 1 कार्य में व्यक्तित्व मूल्याओं को समाहित किया गया है।

2. प्रस्तुत शाधे 1 अध्ययन में 100 विद्यार्थियों का प्रयोग किया गया है।

ऑकड़ों का विश्लेषण - शिक्षक प्रशिक्षक संस्थान उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं का व्यक्तित्व मूल्या का अध्ययन

कि किस विद्यार्थी की किस क्षेत्र में रुचि सर्वोपरी रही था और निम्न तथा आसै त मूल्या ज्ञात किया जाता है।